

असंभिर्ण EXTRAORDINARY

भाग II— खण्ड 3—उप-खण्ड (i) - ?! \
PART II—Section 3-- Sub-vection (i)
प्राधिकार से प्रकादिक

PUBLISHED BY AUTHORITY

. 424

नई विल्ली, बुधवार, अगस्त 16, 1989/श्रायण 25, 1911

No. 424]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 16, 1989/SRAVANA 25, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

ग्रधिसूचना

मई दिल्ली, 16 मगस्त, 1989

सं. 170/89-केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क

सा.का.नि. 757 (म्र): ---केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क भीर नमक ग्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रयत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह समाधान) जाने पर कि लोकद्रित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मन्नालय (राजस्य विभाग) की

श्रीधपूचना सं. 202/88-केन्द्राय उत्पद-गुल्क, तारीख 20 मई, 1988 में निम्नलिखित संगोधन पारती है। भर्मात :---

उम्त ग्रधिसूचना ने उपाबद्ध सारणी में कम सं. 02 के सामने स्तंभ (3) में "तप्त बेस्लन तप्त कथीण या तस्त बहिर्वेधन" णब्दों के स्थान पर "तस्त बेस्लन तप्त कर्षण या तस्त बहिर्वेधन किंतु इसके भन्तर्ज्ञान में ग्रालाकाएं भी हैं जो बेल्लन के पश्चात मोडी गई हैं" शब्द रखें जाएंगे।

> [फ़ा.सं. 345/15/89-दी म्राप्यू] भ्रार.क्षे. महाजन, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 16th August, 1989.

NOTIFICATION

NO. 170/89-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 757 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1 of section 5-A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), th Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue No. 202/88-Central Excises, dated the 20th May, 1988, namely:—

In the Table annexed to the said notification, against Sl. No. 02, i column (3) for the words "not further worked than hot rolled, no drawn or not extruded", the words "not further worked than he rolled, hot drawn or hot extruded, but including those twisted after rolling" shall be substituted.

[F. No. 345/15/89-TRUR, K. MAHAJAN, Under Sec